ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषिऔर प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक :09.01.2024

नैनीताल(उत्तराखंड)के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन:2024-01-09 (अगले5 दिनों के8:30 IST तक वैध)

मौसमकारक	10/01/2024	11/01/2024	12/01/2024	13/01/2024	14/01/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	14.0	14.0	15.0	15.0	15.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	5.0	6.0	6.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	65	65	65
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	25	25	25	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	1	1	1	2	2
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	1	4

समसारांश/ चेतावनी:

आने वाले दिनों में बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं की गई है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 14.0-15.0 डिग्री सेल्सियस और 5.0-6.0 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 1-2 किमी/घंटा की गति से हवा चलने की उम्मीद है। क्षेत्र में हल्की बारिश के साथ शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है। एनडीवीआई समग्र क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। 09.01.2024 को नैनीताल जिले में अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। 10 और 11 जनवरी 2024 को शुष्क मौसम रहने की संभावना है और नैनीताल जिले के कुछ स्थानों पर ज़मीन पर पाला पड़ने की संभावना है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 05-11 जनवरी तक बड़ी कमी की प्रवृत्ति का संकेत देती है और अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में सामान्य की प्रवृत्ति की भविष्यवाणी करती है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। NDVI कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम से अच्छी कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 05-11 जनवरी तक बड़ी कमी वाली वर्षा की प्रवृत्ति को इंगित करती है और अधिकतम और न्यूनतम तापमान में सामान्य से ऊपर की भविष्यवाणी करती है। सिंचित घाटी में, टमाटर, शिमला मिर्च और बैंगन के पौधों के लिए मिट्टी उपचार के साथ-साथ पॉली हाउस की व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए। मौसम की चेतावनी के अनुसार उचित कृषि उपायों का पालन किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

10 और 11 जनवरी को नैनीताल के कुछ स्थानों पर शुष्क मौसम के साथ-साथ ज़मीन पर पाला पड़ने की चेतावनी दी गई है, इसलिए सिंचाई की जानी चाहिए और अंकुरों/पौधों को पाले से होने वाले नुकसान से बचाया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर	वानस्पतिक	फसल की निगरानी की जानी चाहिए और नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। पूर्वानुमानित पाले की चेतावनी के अनुसार उचित कृषि उपाय किये जाने चाहिए।
तोरिया (लाही/घरिया) और पीली सरसों (राड़ा)	वानस्पतिक/ फूल आना	फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए. पूर्वानुमानित पाले की चेतावनी के अनुसार उचित कृषि उपाय किये जाने चाहिए।
गेहूँ	वानस्पतिक	वर्षा आधारित परिस्थितियों में फसल में निराई-गुड़ाई की निगरानी करनी चाहिए। पूर्वानुमानित पाले की चेतावनी के अनुसार उचित कृषि उपाय किये जाने चाहिए।
जौ	वानस्पतिक	फसल की निराई-गुड़ाई की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और पूर्वानुमानित पाले की चेतावनी के अनुसार उचित कृषि उपाय किए जाने चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
शिमला मिर्च	नर्सरी	बीजों को तैयार नर्सरी में बोया जाना चाहिए और जमीन पर पाले की चेतावनी के अनुसार पौध को पाले से बचाना चाहिए।
पालक	वानस्पतिक	पूर्वानुमानित पाले की चेतावनी के विरुद्ध उचित उपाय करके फसल की सुरक्षा की जानी चाहिए।
आलू	वानस्पतिक	30-35 दिनों के अंतराल पर शेष नाइट्रोजन को आलू में मिट्टी चढ़ाने के बाद मिलाना चाहिए और पूर्वानुमानित जमीनी पाले की चेतावनी के तहत उचित खेती के उपाय किए जाने चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं

	को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
भेड़/बकरी	भेड़/बकरी के प्रसव कक्ष को साफ-सुथरा रखें।

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	चेतावनी के अनुसार पौधों और फसलों में जमीनी पाले से बचाव के उचित उपाय किए जाने चाहिए।